भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-373

उत्तर देने की तारीख-03/12/2025

एमजीएमएल कक्षाओं का प्रभाव

373 **श्री रविचंद्र वद्दीराजू:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आधारभूत शिक्षा पर बहुकक्षा एवं बहुस्तरीय शिक्षण (एमजीएमएल) कक्षाओं के प्रभाव का कोई राष्ट्रीय मूल्यांकन किया है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी राज्य-वार विशेषकर तेलंगाना राज्य के संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने राज्यों में प्रशिक्षित प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई) शिक्षकों की उपलब्धता की समीक्षा की है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) प्रारंभिक कक्षाओं में अधिगम की निरंतरता सुनिश्चित करते हुए अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्रदान करने वाले राज्यों की सहायता के लिए कौन-कौन से उपाय प्रस्तावित हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख) स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएंडएल), शिक्षा मंत्रालय (एमओई) ने शिक्षा के मूलभूत, प्रारंभिक और मध्य चरणों (क्रमशः कक्षा 3, 6 और 9 में मूल्यांकित) के अंत में विद्यार्थियों के बीच क्षमताओं के विकास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत आधारभूत प्रदर्शन को समझने के लिए दिनांक 4 दिसंबर, 2024 को परख राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (जिसे पहले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के रूप में जाना जाता था) का आयोजन किया है। यह सर्वेक्षण भारत में अधिगम परिणामों से संबंधित एक प्रणाली-स्तरीय प्रतिबिंब के रूप में तैयार किया गया है जो स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों में महत्वपूर्ण दक्षता, कौशल या अवसंरचनात्मक खामियों को रेखांकित करता है। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण (पीआरएस) 2024 की राष्ट्रीय, राज्य (तेलंगाना सहित) और जिला स्तरीय रिपोर्टें https://dashboard.parakh.ncert.gov.in/en पर उपलब्ध हैं। पीआरएस 2024 में मूलभूत साक्षरता और संख्याज्ञान कौशल के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार पर प्रकाश डाला गया है, जो एनईपी 2020 में परिकल्पित निपुण भारत मिशन के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि ग्रामीण स्कूलों में कक्षा 3 के बच्चों का प्रदर्शन शहरी स्कूलों की तुलना में बेहतर है, और कक्षा 3 में सरकारी स्कूलों का प्रदर्शन निजी स्कूलों की तुलना में ज्यादा बेहतर रहा है। यह पिछले सर्वेक्षण से अधिगम परिणामों में स्पष्ट सुधार और भाषा तथा गणित में कोविड के कारण हुई अधिगम हानि से उबरने को भी दर्शाता है।(ग) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पैरा 5.15 और 5.16 में इस बात पर बल दिया गया है कि प्रत्येक शिक्षक से अपने स्वयं के व्यवसायपरक विकास हेतु, अपने स्वयं के हितों से प्रेरित होकर, प्रत्येक वर्ष कम से कम 50 घंटे के सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) अवसरों में भाग लेने की अपेक्षा की जाएगी। डीओएसईएंडएल ने

शिक्षकों के सीपीडी हेतु समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत निष्ठा - स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति हेतु राष्ट्रीय पहल नामक एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से अधिगम परिणामों में सुधार करने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया है। प्रमुख प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु निष्ठा को एफएलएन और प्रारंभिक बाल देखभाल तथा शिक्षा (ईसीसीई) तक भी विस्तारित किया गया है। 13.74 लाख+ शिक्षकों और 1.69 लाख+ शिक्षकों ने क्रमशः एफएलएन और ईसीसीई के लिए निष्ठा ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया है।

(घ) एनईपी 2020 में आधारभूत स्तर से लेकर कक्षा 8 तक मातृभाषा अधिगम पर बल दिया गया है। डीओएसईएंडएल द्वारा प्रारंभिक कक्षाओं में अधिगम निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए बहुभाषावाद (अंग्रेजी सहित) के संवर्धन हेतु निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:

- मूलभूत स्तर (एनसीएफ-एफएस) और माध्यमिक स्तर (एनसीएफ-एसई) के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा क्रमशः अक्टूबर, 2022 और जुलाई, 2023 में जारी की गई थी। एनसीएफ-एफएस और एनसीएफ-एसई द्वारा मार्गदर्शित एनईपी 2020 के अनुसार कक्षा 1-8 के लिए नई पुस्तकें लाई गई हैं, जिन्हें भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार सभी भाषाओं में चरणों में प्रकाशित किया जा रहा है।
- राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय बच्चों और किशोरों को गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें प्रदान करता है, जो विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, भाषाओं, शैलियों और शैक्षिक स्तरों पर पहुंच सुनिश्चित करता है। यह प्लेटफ़ॉर्म अंग्रेजी सहित 23 भाषाओं में 5,000 से अधिक गैर-शैक्षणिक पुस्तकें प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं के लिए संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध हो जाती है।
- जादुई पिटारा (जेपी): दिनांक 20 फरवरी, 2023 को शुरू किया गया, जेपी 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 53 अधिगम-शिक्षण सामग्री (एलटीएम) (खिलौने, खेल, पहेलियाँ, स्टोरी कार्ड आदि) का संग्रह है। इसमें अंग्रेजी सहित 23 भाषाओं में अनुवादित संसाधन, एक प्रशिक्षक की पुस्तिका 'उन्मुख' और एकीकृत कार्यपत्रकों के लिए एक गतिविधि पुस्तक 'आनंद' शामिल है।
- ई-जादुई पिटारा (ई-जेपी): दिनांक 10 फरवरी, 2024 को शुरू किया गया, यह ऐप और वेबसाइट कक्षाओं से परे जेपी की पहुंच का विस्तार करती है, जो एआई-संचालित बॉट्स के साथ कई भाषाओं में संवादात्मक सामग्री प्रदान करती है। इसमें 1,000 से अधिक कहानियाँ हैं और यह https://ejaaduipitara.ncert.gov.in/ के माध्यम से सुलभ हैं।
- प्रधानमंत्री ई-विद्या पहल का विस्तार "एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म" की संकल्पना के साथ 200 डीटीएच टीवी चैनलों तक किया गया है, जो अंग्रेज़ी सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में पाठ्यक्रम-अनुरूप सामग्री प्रदान करती है, और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच और समावेशिता को बढ़ाती है।
- ज्ञान साझाकरण हेतु डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा) स्कूल शिक्षा के लिए सभी कक्षाओं हेतु क्यूआर कोड युक्त सक्रिय पाठ्यपुस्तकों (ईटीबी) के साथ गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री प्रदान करने वाला प्लेटफ़ॉर्म है। दीक्षा में भागीदार के रूप में, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/स्वायत्त निकायों ने मातृभाषा और स्थानीय/क्षेत्रीय भाषाओं में 3.7 लाख से अधिक सामग्री तैयार की और योगदान दिया है, जिससे बहुभाषावाद को बढ़ावा मिला है।

****